



#### **14. लोपसांग ने तंबू का रास्ता कैसे साफ़ किया?**

**उत्तर:-** तंबू के रास्ते एक बड़ा बर्फ़ पिंड गिरा था जिसने कैंप को तहस-नहस कर दिया था। लोपसांग ने अपनी स्विस् छुरी की सहायता से तंबू का रास्ता साफ़ किया और लेखिका को बाहर निकाला।

#### **15. साउथ कोल कैंप पहुँचकर लेखिका ने अगले दिन की महत्वपूर्ण चढ़ाई की तैयारी कैसे शुरू की?**

**उत्तर:-** साउथ कोल कैंप पहुँचकर लेखिका ने अगले दिन की महत्वपूर्ण चढ़ाई की तैयारी शुरू कर दी। उन्होंने खाना, कुकिंग गैस तथा कुछ ऑक्सीजन सिलिण्डर इकट्ठे किए। अपने दल के दूसरे सदस्यों को मदद करने के लिए एक थर्मस में जूस और दूसरे में चाय भरने के लिए नीचे उतर गई।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए

**16. उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत कराया?**

**उत्तर:-** उपनेता प्रेमचंद ने अभियान दल के सदस्यों को निम्न स्थितियों से अवगत कराया —

- पहली बड़ी बाधा खुंभु हिमपात की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके दल ने कैंप — एक (6000 मीटर), जो हिमपात के ठीक ऊपर है, वहाँ तक का रास्ता साफ़ कर दिया।
- यह भी बताया कि पुल बना दिया गया है, रस्सियाँ बाँध दी गई हैं तथा झंडियों से रास्ते को चिह्नित कर दिया गया है।
- बड़ी कठिनाइयों का जायजा ले लिया गया है।
- ग्लेशियर बर्फ़ की नदी है और बर्फ़ का गिरना जारी है। यदि हिमपात अधिक हो गया तो अभी तक किए गए सारे काम व्यर्थ हो सकते हैं। हमें रास्ते खोलने का काम दोबारा भी करना पड़ सकता है।

### **17. हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?**

**उत्तर:-** बर्फ़ के खंडों का अव्यवस्थित ढंग से गिरने को हिमपात कहा जाता है। ग्लेशियर के बहने से अक्सर बर्फ़ में हलचल मच जाती है। इससे बर्फ़ की बड़ी-बड़ी चट्टानें तत्काल गिर जाया करती हैं। अन्य कारणों से भी अचानक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे धरातल पर बड़ी चौड़ी दरारें पड़ जाती हैं। अधिक हिमपात के कारण तापमान में भारी गिरावट आती है। रास्ते बंद हो जाते हैं।

### **18. लेखिका के तंबू में गिरे बर्फ़ पिंड का वर्णन किस तरह किया गया है?**

**उत्तर:-** लेखिका के तंबू में गिरे बर्फ़ पिंड का वर्णन बहुत भयानक एवं खतरनाक था। लेखिका गहरी नींद में सोई थी कि रात 12.30 बजे एक सख्त चीज़ लेखिका के सिर के पिछले हिस्से से टकराई और वह जाग गई। साथ ही एक जोरदार धमाका भी हुआ। एक लंबा बर्फ़ पिंड ल्होत्से ग्लेशियर से टूटकर कैंप के ऊपर आ गिरा था। उसमें अनेक हिमखंडों का पुंज था। वह एक एक्सप्रेस रेलगाड़ी की तेज़ गति के साथ और भीषण गर्जना के साथ गिरा था। इसने लेखिका के कैंप को नष्ट कर दिया था। इससे चोट तो सभी को लगी पर मृत्यु किसी की भी नहीं हुई।

**19. लेखिका को देखकर ‘की’ हक्का-बक्का क्यों रह गया?**

**उत्तर:-** लेखिका को देखकर ‘ की ‘ हक्का बक्का रह गया क्योंकि इतनी बर्फीली हवा में नीचे जाना खतरनाक था फिर भी लेखिका सबके लिए चाय व जूस लेने नीचे उतर रही थी।

**20. एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल कितने कैंप बनाए गए? उनका वर्णन कीजिए।**

**उत्तर:-** एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल सात कैंप बनाए गए थे।

1. बेस कैंप — यह कैंप काठमांडू के शेरपालेंड में लगाया गया था। पर्वतीय दल के नेता कर्नल खुल्लर यहीं रहकर एक-एक गतिविधि का संचालन कर रहे थे। उपनेता प्रेमचंद ने भी हिमपात संबंधी सभी कठिनाइयों का परिचय यहीं दिया।
2. कैंप — 1 — यह कैंप 6000 मीटर की ऊँचाई पर बनाया गया। यह हिमपात के ठीक ऊपर था। इसमें सामान जमा था।
3. कैंप — 2 — यह चढ़ाई के रास्ते में था।
4. कैंप — 3 — इसे ल्होत्से की बर्फीली सीधी ढलान पर लगाया गया था। यह रंगीन नायलॉन से बना था। यहीं ल्होत्से ग्लेशियर से टूटकर बर्फ पिंड कैंप पर आ गिरा था।
5. कैंप — 4 — यह समुद्र तट से 7900 मीटर की ऊँचाई पर था।
6. साउथ कोल कैंप — यहीं से अंतिम दिन की चढ़ाई शुरू है।
7. शिखर कैंप — यह कैंप अंतिम कैंप था। यह एवरेस्ट के ठीक नीचे स्थित था।

\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*